DR K MALAISAMY The concerned States should also be called *(Interruptions)*

MR CHAIRMAN Hon Home Minister *(Interruptions)*

SHRI P M SAYEED Yes *(Interruptions)* I said, yes. I will call all the Members of Parliament from Kerala and then discuss the matter. .*(Interruptions)*

श्री ललितभाई मेहता: आपने एक भी सप्लीमेंटरी एलाऊ नहीं किया .....**(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप बैठिए, यह गलत बात है . ..**(व्यवधान)** This question is over now *(interruptions)* No Nothing Next question

Poll Related Violence in Different Parts of the Country

*45 SHRI RAJKUMAR DHOOT. Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state

(a) whether it is a fact that there has been number of incidents of poll related violence in different parts of the country during Lok Sabha and Assembly elections during April-May, 2004,

(b) if so, the details thereof and the persons responsible in each case together with number of persons killed and injured and compensation paid,

(c) whether such incidents could not be prevented while sufficient security personnel were deployed for the polls, and

(d) the lessons learnt from these incidents and the steps proposed to be taken to prevent such incident?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SRIPRAKASH JAISWAL) (a) Yes, Sir

(b) As per available information, there were 637 poll related incidents of violence in which 91 persons were killed and 1899 persons sustained injuries The compensation is paid by the State/concerned Agencies in eligible cases

(c) and (d) The State Governments take necessary steps to prevent incidents of violence during the elections The Central Government provides the requisite Central Para Military Forces and other resources to supplement the efforts of the State Governments in this regard

SHRI RAJKUMAR DHOOT. Part (b) of the question is not fully answered. Information about persons or groups responsible for violence may please be given. How many persons were booked under poll-related violence out of 637 incidents?

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: सभापति महोदय, 1999 में 5 चरणों में मतदान हुआ था और 2004 में भी 5 चरणों में मतदान हुआ था। 1999 की तुलना में 2004 के चुनावों में जो हिंसक घटनाएं हुई हैं, वे काफी कम हैं। मैं आपकी जानकारी में यह लाना चाहता हूं कि 2004 के चुनाव के दौरान 637 हिंसा की घटनाएं हुई थीं जो कि 1999 की तुलना में ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: 1999 का तो उन्होंने पूछा ही नहीं है।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल: 2004 के चुनाव में 50 परसेंट व्यक्ति कम मारे गए. ..**(व्यवधान)**

श्री एस. एस. अहलुवालिया: 2004 का बताइए ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: 2004 का बताओ आप ...**(व्यवधान)**

श्रीमती सविता शारदा: वर्ष 2004 में कितने लोग, कितने राज्यों में मारे गए?

श्रीमती सुषमा स्वराज: यह तैयारी है मंत्रियों की ...**(व्यवधान)**

श्री शिवराज पाटिल (गृह मंत्री): चुनाव में 637 घटनाएं हुई हैं और उसमें सारे लोग जो इन्वाल्व हैं, उनके पूरे के पूरे नाम ओरल रिप्लाई में देना मुश्किल है। अगर वह चाहते हैं तो इन सारे लोगों के नाम मंगाकर चॉर्जशीट करके हम उनको सजा दिलाएंगे।

श्री एकनाथ के. ठाकुर: मंत्री जी मरने का कोई परसैंटेज होता है ...**(व्यवधान)**

श्रीमती सविता शारदा: कितने लोगों को सजा हुई ...**(व्यवधान)**

SHRI RAJKUMAR DHOOT I want to know whether some violence was due to the fact that many voters were having identity cards but their names did not appear in the voters' list and they were angry for not being able to exercise their right to vote Has any responsibility been fixed for the lapses?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, elections are organised by the Election Commission In some constituencies, at some booths, it fact was found that some voters were having their identity cards but their names were not there in the electoral list. So there were clashes and

there were some conflicts between the officers and others as well as among the parties. Now, this is a responsibility to be borne by the Election Commission.

श्री एम॰ एस॰ गिल: सभापति महोदय, यहां होम मिनिस्टर जी बैठे हैं, मैं उनका ध्यान एक और तरफ ''सी'' और ''डी'' की तरफ ले जाना चाहता हूं। सवाल यह नहीं है कि इस इलेक्शन में कितने लोग मरे, कितने एक्सिडेंट हुए और कितने पैसे दिए और उस पैसे से उसके बाल-बच्चों का पूरा नहीं हो पाता है। सवाल तो यह है जो ''सी'' और ''डी'' में पूछा भी ऐसे तरीके से गया है और उसका जवाब भी है कि आप ज्यादा से ज्यादा सेंट्रल फोर्सेज देंगे, स्टेट्स भी देंगी और उनको लेकर कोई आगे कम करने की कोशिश करेंगे। मतलब ये लोग तो लड़ते ही रहेंगे सारी पार्टियों के और आप ज्यादा फोर्सेज देकर उनको हटाते रहेंगे। सर, सवाल तो यह है और मैं सदन के दोनों तरफ को कहना चाहता हूं, अर्ज करना चाहता हूं। सवाल तो यह है कि एक तरफ तो हम 1998 से लेकर इलेक्ट्रोनिक वोटिंग ले आए। अठासठ करोड़ लोगों ने इलेक्ट्रोनिकली वोट किया, कोई जीता, कोई हारा, किसी ने ऐतराज नहीं किया और इसको माना तथा दुनियां ने आपकी तारीफ करी। तो सवाल तो यह है कि यह लड़ाई क्यों होती है और यह सेंट्रल फोर्सेज भेजने पड़ते हैं। फिर आप सारे लोग ऐतराज करते है कि इलेक्शन लम्बी होती जा रही है, और , चार चरण या छः चरण। उनको रोका जा सकता है। पिछले डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और होम मिनिस्टर और उनके नीचे आपकी एक इलेक्टोरल रिफॉर्म्स की कमेटी थी। अब भी मैं आग्रह करुंगा कि मंत्री जी ऐसी कमेटी बनाएं लेकिन उसकी ज्यादा मीटिंग करें। अगर आपस में आप लक्ष्मण रेखा खींच दो सन् 2004 में तो किसी प्रांत में भी शायद लड़ाई नहीं होगी। मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि कोई इस तरफ कदम उठाइए, यह नहीं कि पुलिस में ज्यादा भर्ती कीजिए, वहां ज्यादा भेजिए और ज्यादा लोगों को लड़ते हुए हटाने की कोशिश करिए।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: श्रीमान, यह जो सुझाव आया है बहुत अच्छा है। उस सुझाव का विचार तो राज्य सभा और लोक सभा में ही ज्यादातर किया जा सकता है क्योंकि सब पार्टियों के लोग यहां पर हैं। जहां तक सरकार का सवाल है, सरकार की तरफ से इस प्रकार के इंसीडेंस नहीं हों इसलिए क्या किया जा रहा है उसका जवाब यहां पर देने की कोशिश हम कर रहे है। जो 1998 में इंसीडेंस हुए थे, 1999 में हुए थे और 2004 में हुए थे उसकी संख्या को अगर हम देखें तो हमको ऐसा नजर आता है कि हर इलेक्शन में इनकी जो संख्या है ऐसी घटनाओं की वह कम होती जा रही है। ऐसा सरकार की कोशिश से भी है और शायद पार्टी की कोशिश से भी है। मगर यह ऐसा सुझाव है जिसके ऊपर सदन में और सदन के बाहर भी विचार होना चाहिए।

श्री संजय निरुपम: आदरणीय सभापति जी, सबसे पहले आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे सप्लीमेंट्री पूछने के लिए मौका दिया। चुनावी हिंसा.....(**व्यवधान**)

श्री सभापति: आप सीधा प्रश्न करें।

श्री संजय निरुपम: चुनावी हिंसा न हो यह लगभग पूरे देश की ऐसी इच्छा है और पूरे सदन की भी यहा पर एक भावना है तथा एम॰ एस॰ गिल साहब ने भी ऐसी बात कही है और चुनाव आयोग पिछले कई वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है कि चुनावी हिंसा कम से कम हो और पिछले चुनाव में इसमें हमें सफलता भी मिली है। चुनावी हिंसा क्यों होती है क्योंकि एक प्रकार का तनाव पैदा किया जाता है चुनाव के दरम्यान।

श्री सभापति: भाषण मत दीजिए, माननीय सदस्य।

श्री संजय निरुपम: इसलिए इस प्रकार की ऐसी व्यवस्था की गई कि हिन्दुत्व के नाम पर (व्यवधान) एक मिनट रुकिए। सभापति जी, मैं सवाल पर ही आ रहा हूं।

श्री सभापति: सीधे सवाल पर आइए।

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, इस प्रकार की व्यवस्था की गई है कि हिन्दुत्व के नाम पर चुनाव नहीं लड़ा जाना चाहिए, हिन्दु भावनाएं भडका कर चुनाव नहीं लड़ा जाना चाहिए।.. (व्यवधान)

श्री सभापति: सीधे सवाल पर आइए।

श्री संजय निरुपम: लेकिन पिछले चुनाव में बड़े पैमाने पर गुजरात के दंगों पर सी॰ डी॰ बांटी गई, पम्फलेट बांटे गए। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि आखिर वे सी॰ डी॰ बांटने वाले कौन से लोग थे .(व्यवधान)

MR CHAIRMAN Next question *(Interruptions)* Next question Shrimati N P Durga *(Interruptions)*

अब आप बैठ जाइए, कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। आप बैठ जाइए। (व्यवधान)

Nothing will go on record Shrimati N P Durga *(Interruptions)* बोलिए,] Shrimati N P Durga

SHRI SANJAY NIRUPAM Alladi P Rajkumar Sharda,

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, . (व्यवधान) सवाल नहीं पूछा है। . **(व्यवधान)** मैं एलाउ नहीं करुंगा। दूसरा क्वेश्चन ले लिया है। कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। बोलिए श्रीमती एन॰ पी॰ दुर्गा।

आप बोलिए। ...(व्यवधान)... मैंने आपको सवाल पूछने की इजाजत दी। **(व्यवधान)**... सवाल **(व्यवधान)**...

श्री संजय निरुपम:*

श्री सभापति: श्री संजय निरुपम, आप एक बात ध्यान में रखिये कि क्वेश्चन करने वाले सब माननीय सदस्य हैं। क्वेश्चन का लिमिटिड टाइम होता है। ...(**व्यवधान**)... उसमें आप बिल्कुल स्ट्रेट सवाल पूछेंगे, जवाब मिलेगा, लेकिन भाषण देंगे तो उसकी अनुमति नहीं दूंगा। ...(**व्यवधान**)... अब आपका क्वेश्चन चला गया। श्रीमती एन॰ पी॰ दुर्गा को मैंने सवाल पूछने के लिए कह दिया। मैंने कह दिया है कि कोई रिकार्ड पर नहीं जायेगा। ...(**व्यवधान**)... आप बोलिए। आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... डिफेंस मिनिस्टर ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। आप पहले बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य पहले आप बैठ जाइये। Take your seat. ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय निरुपम:*

श्री सभापति: मैंने अनुमति नहीं दी है। ...(**व्यवधान**)... मैं अपनी अनुमति विदड्रा करता हूं। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप पूछ लीजिए। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)...

SHRI C RAMACHANDRAIAH: Sir, the question is related to poll-related violence. In Andhra Pradesh, till now, 30 murders have taken place Fifteen Telugu Desam Party leaders have been physically decimated. Out of vengefulness, political vendetta, every day murders are taking place in Andhra Pradesh. Hundred villages have been affected. *(Interruptions)*....

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: What is this? *(Interruptions)*... Let me say it. *(Interruptions)*... A related question has come ...*(Interruptions)*...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR. What is happening in Anantpur? What is happening in the entire Andhra Pradesh? . *(Interruptions)* .

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: You want to murder ...*(Interruptions)*....

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए। आपके पास गवर्नमेंट है। ...(**व्यवधान**)... आप बोलिए। आप बोलिए। ...(**व्यवधान**).. आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: They have been given the mandate to rule the people, not to murder the people. .. *(Interruptions)*... Sir, every day murders are taking place. Some criminal, tainted, persons were inducted into the Cabinet of Andhra Pradesh ...*(Interruptions)*...

*Not recorded.

श्री सभापति: आप बैठ जाइये। आप बैठ जाइये। ...(व्यवधन)... माननीय सदस्यगण, टेक योर सीट। ...(व्यवधान)...

SHRI C RAMACHANDRAIAH They are encouraging, the Government is encouraging, murder of the people belonging to the Telugu Desam Party and they are destroying their properties. . .*(Interruptions)*. .

MR CHAIRMAN: *Mananiya Sadasyaji,* please take your seat .*(Interruptions)*.. Please take your seat. ...*(Interruptions)*... Please take your seats *(Interruptions)* ..

SHRI C. RAMACHANDRAIAH. They are indulging in arson. *(Interruptions)*. We request the Government to come to the rescue of the Telugu Desam Party because we are being threatened physically in Andhra Pradesh. *(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: Please take your seats.. *(Interruptions)*. . Please take your seats श्रीमती एन.पी. दुर्गा। ...(व्यवधान)... आप बैठिये। आप बैठिये। आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... Next question. *(Interruptions)* .

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY Sir, let the Minister reply. *(Interruptions)* ..

श्री संजय निरुपम: *

श्री सभापति: सवालों का जवाब देना चाहिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट। मैं बताना चाहता हूं कि सवालों के जवाब ...(व्यवधान)... आप मेरी सुन लीजिए।...(व्यवधान)... आपकी हाउस में नहीं चलेगी।...(व्यवधान)... दूसरे मेम्बर्स भी हैं।...(व्यवधान)... मैंने आपको प्रश्न पूछने की अनुमति दी, उसका आपने मिसयूज़ किया।...(व्यवधान)... आपने उस अनुमति का मिसयूज़ किया।...(व्यवधान)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, let the hon. Minister reply *(Interruptions)*...

SHRI C RAMACHANDRAIAH: Sir,we have given a representation to the hon. Prime Minister and he visited Andhra Pradesh. Till now, no concrete action has been taken. *(Interruptions)*...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY. Sir, let the hon. Minister reply. *(Interruptions)*. .

---

*Not recorded

DR ALLADI P. RAJKUMAR: The Prime Minister has expressed himself when he visited Hyderabad. *(Interruptions)* .

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, let him give an assurance to the House *(Interruptions)*.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, it should be realised by the hon. Member that when the elections took place, they were in power *(Interruptions)*...It was their responsibility to see that such incidents did not take place. They are blaming others who were not in power at that time. *(Interruptions)*... Since the time they were in power, they did not take care of it. *(Interruptions)*...

श्री सभापतिः आप अकेले बोलिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट आप बैठ जाइये। ..(व्यवधान)... Let me say something *(Interruptions)* .. Please take your seats. *(Interruptions)*... Please take your seats. *(Interruptions)*. . आप मेरी सुन लीजिए। प्लीज टेक योर सीट। ...(व्यवधान)...

SHRI S.S. AHLUWALIA. He is raising the issue of post-poll violence *(Interruptions)*. How is he saying it is not post-poll violence? *(Interruptions)*. .

प्रो॰ राम देव भंडारीः सवाल चुनावी हिंसा के बारे में है। पोस्ट पोल वॉयलेंस के बारे में नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमारः आपकी सरकार में क्या हुआ, वह बताइए। ...(व्यवधान)... 3000 किसानों ने सुसाइड किया था। उसकी बात करिए। ...(व्यवधान)... उसकी कोई बात नहीं कर रहे हो। ...(व्यवधान)... 3000 किसानों ने सुसाइड किया था। उसकी बात करिए। ...(व्यवधान)...

डा॰ अलादी पी॰ राजकुमारः आपको मालूम नहीं है कि वहां क्या हो रहा है। ...(व्यवधान)... आप एक बार वहां आइए। ...(व्यवधान)... आप एक बार आंध्र प्रदेश विजिट करिए। ...(व्यवधान)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: There is a threat to the life of our leader, Shri Chandrababu Naidu *(Interruptions)* . There is a threat to the life of our leader. *(Interruptions)*...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, let the Minister assure the House. *(Interruptions)* ..

श्री सभापति: मेरी बात सुनिए। मिनिस्टर साहब बोल रहे थे, आपने बोलने नहीं दिया। ...(व्यवधान)... What can I do for it? ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: पोस्ट पोल वॉयलेंस की बात हो रही है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: तब आप क्वेश्चन कर लेते। ...(व्यवधान)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, let there be a discussion on this subject

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, let there be a discussion in the House on this subject. (*Interruptions*)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR. Sir, kindly go through these papers. (*Interruptions*) .. A direction should go from the Chair to the Government. (*Interruptions*)... These are facts. A memorandum was also submitted to the Prime Minister. The Prime Minister has seen this memorandum. (*Interruptions*)... He has also expressed concern about it. Sir, kindly go through it and then give direction to the Government that every Telugu Desam Party leader and worker should be protected. (*Interruptions*)...

श्री सभापति: आप इनको कॉपी दे दीजिए।

SHRI DINESH TRIVEDI: There should be a Half-an-Hour Discussion on the subject (*Interruptions*).

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Let there be a half-an-Hour Discussion on the subject

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, let there be a half-an-Hour Discussion on this subject. (*Interruptions*).

श्री सभापति: ठीक है। मैं देख लूंगा। ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार: होम मिनिस्टर साहब ने सही जवाब दिया है। जब यह हुआ, तब उनकी सरकार थी। ...(व्यवधान)... टी डी पी के पांच साल के कार्यकाल में क्या हुआ? ...(व्यवधान)...

MR CHAIRMAN: Question Hour is over.